**डिक्री के निष्पादन हेतु आवेदन पत्र (आदेश 21, नियम 11)**

न्यायालय......

मै.....................डिक्रीदार, इसमें नीचे उपवर्णित की गयी डिक्री के निष्पादन हेतु एतद्द्वारा आवेदन करता हूँ;

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 1987 का 789 | 1. | वाद सं. |
| ........................वादी.........................प्रतिवादी | 2. | पक्षकारों के नाम |
|  | 3. | डिक्री की तारीख |
| सं........... | 4. | क्या कोई अपील डिक्री से दायर की गयी |
| कोई नहीं | 5. | किये गये समायोजन का भुगतान यदि कोई हो |
| आवेदनपत्र दिनांकित..........................को अभिलिखित ......................रुपये | 6. | पूर्व आवेदनपत्र यदि कोई हो तो तारीख एवम् परिणाम सहित |
| मूल (डिक्री की तारीख से संदाय कियाजाने की तारीख तक वार्षिक दर....... पर ब्याज).........रुपये | 7. | किसी प्रति डिक्री की विशिष्टियों के साथ तद्द्वारा मंजूर की गयीडिक्री या अनुतोष पर देय ब्याजसहित रकम |
| जैसा डिक्री में अधिनिर्णीत किया गया.........रुपये पैसे पश्चातवर्ती उपगत किया गया योग | 8. | खर्चे की रकम यदि कोई भी अधिनिर्णीत पश्चात्वर्ती की गयी हो। |
| प्रतिवादी के विरुद्ध | 9. | जिसके विरुद्ध निष्पादित किया जाना |
| [जब जंगम सम्पत्ति की कुर्की एवम् विक्रय प्राप्त की जाती है।] में प्रार्थना करता हूँ कि....................... रुपये की कुल रकम [ भुगतान की आज की तारीख तक मूल धनराशि पर ब्याज साथ में] तथा इस निष्पादन को प्राप्त करने का खर्च उपाबंध की गयी सूची के अनुसार प्रतिवादी की जंगम सम्पत्ति को कुर्की एवम् विक्रय द्वारा वसूली जाय तथा मुझको संदाय किया जाय। (जब स्थावर सम्पत्ति कुर्की एवम विक्रय द्वारा प्राप्त की जाती है)में प्रार्थना करता हूं कि................... रुपये की कुल रकम [ भुगतान की आज की तारीख तक मूल धनराशि पर ब्याज साथ में ] तथा इस निष्पादन को प्राप्त करने का खर्च इस आवेदन पत्र के पाद पर विनिर्दिष्ट प्रतिवादी की स्थावर सम्पत्ति को कुर्की एवम् विक्रय द्वारा वसूला जाय तथा मुझको संदाय किया जाय। | 10. | जिस रीति से न्यायालय की सहायता कीअपेक्षा की जाती है। |

मैं...................यह घोषणा करता हूं कि जो कुछ इसमें वर्णित है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास में सत्य है।

**हस्ताक्षर………..डिक्रीदार**

दिनांकित……………….

जब स्थावर सम्पत्ति की कुर्की तथा विक्रय प्राप्त किया जाता है।

सम्पत्ति का परिवर्णन एवम् विनिर्देश

...........रुपये मूल्य की गाँव................... मे स्थित एक भवन में निर्णीत ऋणी का अविभक्त एक तिहाई हिस्सा और आबद्ध किया गया निम्नलिखित रूप में है

भवन... ......................द्वारा पूरव.....................द्वारा पश्चिम सार्वजनिक सड़क द्वारा दक्षिण तथा प्राइवेट गली द्वारा उत्तर तथा भवन...........

मैं... ..................घोषणा करता हूं कि ऊपर परिवर्णन में जो कुछ कथन किया जाता है वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवम् विश्वास में सत्य है और जहां तक मैं उसमें विनिर्दिष्ट संपत्ति में प्रतिवादी का हित अभिनिश्चय करने में समर्थ हो गया हूँ।

**हस्ताक्षर…………..डिक्रीदार**